

एनएमडीए

आपदा प्रबंधन के लिए एनडीएमए मानक संचालन प्रक्रिया

एनएमडीए भवन, ए-1, सफदरजंग एन्क्लेव, नई दिल्ली

प्रस्तावना

आपदा प्रबंधन अधिनियम, 2005 के तहत एनडीएमए को भारत में आपदाओं के प्रबंधन के लिए योजनाएं और दिशा-निर्देश बनाने का अधिकार दिया गया है। इससे यह भी अपेक्षा की जाती है कि वह प्राकृतिक आपदाओं के बाद विदेशी देशों की मदद करने के लिए भारतीय पहलों का समर्थन करे। "वसुधैव कौटुम्बकम्" (विश्व हमारा परिवार है) की अपनी सदियों पुरानी परंपरा को ध्यान में रखते हुए, भारत ने हाल ही में बड़े पैमाने पर आए भूकंप के मद्देनजर अपने पड़ोसी देश नेपाल की मदद और समर्थन किया। एनडीएमए ने इस प्रयास में अपना सर्वश्रेष्ठ समर्थन देने के लिए अपना पूरा साहस और संसाधन जुटाए। नेपाल में बचाव और राहत के समन्वय की प्रक्रिया के दौरान, बहुत महत्वपूर्ण सबक सीखे गए और अंतर्दृष्टि प्राप्त हुई। एनडीएमए ने ऑपरेशन मैत्री और इससे पहले इसी तरह के अभ्यासों के दौरान आपदाओं के प्रबंधन में अर्जित अनुभव को आत्मसात करते हुए मानक संचालन प्रक्रियाओं (एसओपी) का यह सेट तैयार किया है। यह दस्तावेज़ ऐसी परिस्थितियों में साथी हितधारकों (जैसे एनडीआरएफ, विदेश मंत्रालय, रक्षा संगठन, राज्य सरकार आदि) की कार्रवाई के तरीके को परिभाषित करने से खुद को रोकता है। हितधारकों से आपदा प्रबंधन के दौरान अपनी भूमिका निभाने के लिए अपने स्वयं के प्रोटोकॉल निर्धारित करने की अपेक्षा की जाती है। एनडीएमए एसओपी का उद्देश्य सभी हितधारकों की गतिविधियों के समन्वय के लिए एक रूपरेखा प्रदान करना है। एनडीएमए इस तथ्य को भी स्वीकार करता है कि भारत द्वारा विदेशी देशों को दी जाने वाली अंतर्राष्ट्रीय मानवीय सहायता के लिए विदेश मंत्रालय और गृह मंत्रालय के परामर्श से इस एसओपी में और सुधार की आवश्यकता हो सकती है, जो इसमें शामिल विभिन्न संवेदनशीलताओं पर निर्भर करता है। ये मानक संचालन प्रक्रियाएं सभी प्रकार की आपात स्थितियों से निपटने के लिए पर्याप्त नहीं पाई जा सकती हैं क्योंकि प्रकृति में मनुष्य को आश्चर्यचकित करने का एक तरीका है। फिर भी आपदा के बाद संकट प्रबंधन के समय जुड़ाव और समन्वय के लिए एक बुनियादी योजना तैयार करने का प्रयास किया गया है। एनडीएमए इसे इस हद तक एक गतिशील दस्तावेज़ मानता है कि भविष्य में हर बड़ी आपदा के बाद प्राप्त अनुभव के आधार पर इसकी समीक्षा की जाएगी और इसमें सुधार किया जाएगा।

पहला दिन

1. शून्य काल

क. नियंत्रण कक्ष एसएमएस द्वारा संदेश भेजता है, उसके बाद सूची 1 में शामिल सभी लोगों को स्वचालित कॉल करता है।

ख. अधिकारी और कर्मचारी कम से कम 45 मिनट के भीतर अपने-अपने केंद्रों पर एकत्रित होते हैं।

ग. एनडीएमए के केंद्रीय नियंत्रण कक्ष की गतिविधियों को एसओपी के अनुसार बढ़ाया जाता है।

घ. एनसीएमसी/एनडीएमए वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से सभी हितधारकों (मंत्रालयों/राज्य सरकारों/डीजी एनडीआरएफ/सेना/वायुसेना/नौसेना/रेलवे/अर्धसैनिक बल/नागरिक सुरक्षा/एम्स/आईएमडी/सीडब्ल्यूसी) के साथ तत्काल संपर्क स्थापित करता है। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग सेट-अप की विफलता की स्थिति में, संचार के अन्य उपलब्ध साधनों का उपयोग किया जा सकता है।

घ. उपलब्ध साधनों द्वारा त्वरित स्थिति विश्लेषण किया जाता है और रिपोर्ट तैयार की जाती है।

2. शून्य काल बीत चुका है

क. सूची 2 के अनुसार एनडीएमए के सभी जिम्मेदारी केंद्र सक्रिय हो जाते हैं।

ख. पूरी तरह सुसज्जित एनडीआरएफ टीम अपने मानक प्रोटोकॉल के अनुसार हवाई मार्ग से तुरंत रवाना होती है।

ग. प्रथम प्रतिक्रिया समूह (सूची 3) ग्राउंड जीरो पर प्रतिक्रिया केंद्र स्थापित करने के लिए एनडीआरएफ के साथ जाता है। सभी प्रतिक्रियाकर्ता अपने साथ बुनियादी स्थिरता किट (अनुलग्नक ए) ले जाएंगे।

घ. बुनियादी कार्यालय स्थापित करने के लिए उपकरण भी प्रथम प्रतिक्रिया समूह (अनुलग्नक बी) द्वारा ले जाए जा सकते हैं।

ई. एक बुनियादी राहत किट (अनुलग्नक सी) भी एनडीआरएफ के साथ जानी चाहिए। किट को एनडीएमए द्वारा पहले से पंजीकृत संभावित दाताओं को टैप करके जुटाया जाना चाहिए (अनुलग्नक डी)।

एफ. एनडीएमए कोर कमेटी (सूची 4) दो बार यानी सुबह 10:00 बजे और शाम 6:00 बजे बैठक करेगी ताकि निम्नलिखित पर निर्णय लिया जा सके

i. संकट स्थल पर प्रथम प्रतिक्रिया समूह से प्राप्त ग्राउंड जीरो रिपोर्ट (प्रतिदिन दो बार)।

ii. अगले दिन के लिए राहत की व्यवस्था की जानी चाहिए। आपदा के प्रकार (अनुलग्नक ई) के आधार पर बचाव सामग्री की आवश्यकता का आकलन किया जा सकता है।

iii. अगले दिन के लिए तैयार राहत के बारे में प्रथम प्रतिक्रिया समूह को एक संदेश भेजा जाएगा, ताकि उन्हें संकट केंद्र पर वितरण और वितरण की योजना बनाने में मदद मिल सके।

.....

दूसरा दिन

1. प्रथम प्रतिक्रिया केंद्र द्वारा बताई गई आवश्यकता और एनडीएमए/एनसीएमसी द्वारा तय किए गए अनुसार, चिकित्सा दल, संचार विशेषज्ञ और बिजली इंजीनियरों सहित केंद्रीय प्रतिनिधिमंडल संकट स्थल पर जाएगा

2. आपदा के प्रकार और अनुमानित आवश्यकता के आधार पर स्वयंसेवकों का एक समूह अनुलग्नक डी, केंद्र और पड़ोसी राज्यों से भेजा जा सकता है।

3. यदि प्रथम प्रतिक्रिया समूह द्वारा सुझाव दिया जाता है, तो प्रतिनिधिमंडल और सभी उत्तरदाताओं को बुनियादी स्थिरता किट (अनुलग्नक ए) के साथ जाना चाहिए।

4. आपातकालीन आवश्यकताओं, पानी और आरओ संयंत्रों के लिए ऑपरेटर के साथ दूसरे दिन हवाई मार्ग से राहत अभियान जारी रहेगा। राहत समन्वय केंद्र (सूची 2) वायु सेना, नागरिक उड्डयन मंत्रालय के साथ समन्वय करेगा।

5. आवश्यकता के अनुसार एनडीआरएफ की अतिरिक्त तैनाती जारी रहेगी।

6. एनडीएमए में राहत समन्वय केंद्र (सूची 2) राज्य सरकारों और अन्य संगठनों के परामर्श से राहत संग्रह गतिविधि का समन्वय करेगा। राज्य, राज्य स्तर पर गैर सरकारी संगठनों के राहत प्रयासों के एकत्रीकरण के लिए समन्वय कर सकते हैं।

7. पहले दिन के बिंदु 2(एच) से 2(क्यू) के अनुसार गतिविधियाँ जारी रहेंगी

8. एनडीएमए कोर समिति (सूची 4) निम्नलिखित की समीक्षा करेगी

क. रेलवे/सड़क के माध्यम से राहत के परिवहन के विकल्प पर विचार किया जाना चाहिए और उसे अपनाया जाना चाहिए।

ख. वितरण बिंदु पर राहत समन्वय के लिए एक कोर टीम भेजी जा सकती है।

ग. प्रेषण और वितरण बिंदु पर भंडारण की संभावना का पता लगाया जा सकता है।

घ. पहले दिन शुरू की गई अन्य गतिविधियों की समीक्षा की जानी चाहिए और उन्हें जारी रखा जाना चाहिए।

च. दूसरे दिन के बाद हवाई मार्ग से राहत अभ्यास जारी रखने के बारे में निर्णय लिया जा सकता है।

च. मृतकों के डीएनए, फिंगर प्रिंटिंग की आवश्यकता का आकलन किया जा सकता है।

1. राज्य के परामर्श से, एनडीआरएफ टीमों को चरणबद्ध तरीके से हटाया जाना चाहिए।

2. प्रथम प्रतिक्रिया दल की वापसी

3. बचाव के बाद राहत अभियान जारी रखने के लिए लिया जाने वाला निर्णय

4. तदनुसार, अभियान को बढ़ाया या घटाया जा सकता है।

5. डीबीफिंग सत्र

ए. एनडीआरएफ के साथ

बी. प्रथम प्रतिक्रिया दल के साथ

सी. हितधारकों (केंद्रीय मंत्रालय/राज्य सरकारें/शामिल एजेंसियां) के साथ

सभी हितधारकों द्वारा लिखित रिपोर्ट प्रस्तुत करना।

• रिपोर्ट में उनके अनुभव, सीखे गए सबक, उनके सामने आने वाली समस्या क्षेत्रों और प्रणालियों में सुधार के लिए उनके सुझावों के बारे में संक्षिप्त विवरण शामिल होना चाहिए।

1. महानिदेशक, एनडीआरएफ
2. डीएम डिवीजन, गृह मंत्रालय
3. एनडीएमए के अधिकारी (डीएस/निदेशक स्तर तक)
4. एनडीएमए के स्थापना कर्मचारी

सूची में सभी संबंधित व्यक्तियों के नाम और संपर्क विवरण शामिल होने चाहिए। इसे अद्यतन रखना एनडीएमए के नियंत्रण केंद्र की जिम्मेदारी होगी। निम्नलिखित मंत्रालयों में से प्रत्येक से एक अधिकारी को नामित किया जाएगा: • गृह मंत्रालय • एनडीएमए • विदेश मंत्रालय (केवल अंतरराष्ट्रीय त्रासदियों के मामले में) • स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय • रक्षा मंत्रालय • भारतीय वायु सेना • विद्युत मंत्रालय (विद्युत बहाली उपकरण के साथ) • दूरसंचार मंत्रालय (मोबाइल/इंटरनेट कनेक्टिविटी स्थापित करने के लिए संचार सेट के साथ) • सूखा/पका हुआ भोजन • पानी • बुनियादी दवाइयाँ (स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा निर्दिष्ट की जाएँगी) • अतिरिक्त बैटरी वाली टॉर्च • स्वच्छता संबंधी वस्तुएँ • 10'x10' प्लास्टिक शीट एनडीएमए को विभिन्न प्रकार की संभावित आपदाओं जैसे कि भूकंप, बाढ़, भूस्खलन ...

राहत सामग्री का रंग कोडिंग

S.No.	Category	Colour
1	आश्रय	Khaki
2	कपड़े	Brown
3	भोजन	Yellow
4	पानी	Blue
5	दवा	Red
6	विकारी खाद्य पदार्थ	Green
7	उपकरणों	Grey

1. सामग्री ताजा और अप्रयुक्त होनी चाहिए। सेकेंड हैंड सामान नहीं भेजा जा सकता।
2. पैकेज सुविधाजनक आकार के बनाए जा सकते हैं। बड़ी वस्तुओं को पेलेटाइज़ किया जा सकता है।